पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – आदि एवं मध्यकालीन काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. नागरी प्रचारिणी सभा, काशी द्वारा प्रकाशित पृथ्वीराज रासो ग्रंथ में कितने सर्ग हैं ?
2. 'कीर्तिलता' की भाषा क्या है ?
3. कबीर के पुत्र एवं पुत्री का नाम लिखिए।
4. 'तन चितउर मन राजा कीन्हा, हिय सिंहल बुधि पदमिनी चीन्हा' किस रचना की पंक्तियाँ हैं ?
5. 'गोसांई चरित' में तुलसीदास जी का जन्म संवत् क्या है ?
6. 'रामचरितमानस' में सातवाँ काण्ड का नाम लिखिए।
7. कृष्ण भक्तिन मीरा का जन्म कहाँ हुआ था ?
8. 'शिवराज भूषण' में किसके शौर्य का उल्लेख है ?

खण्ड—ब

9. 'रासो' शब्द की उत्पत्ति लिखिए।
10. विद्यापति की सामाजिक-चेतना पर प्रकाश डालिए।
11. रीतिकाल की पाँच विशेषताएँ लिखिए।
12. पद्माकर का संक्षिप्त जीवन परिचय बताते हुए कोई चार रचनाएँ लिखिए।

13. घनानन्द के काव्य में प्रेमाभिव्यंजना को स्पष्ट कीजिए।
14. भूषण का जीवन-परिचय लिखिए।

खण्ड—स

15. कबीर की भाषा पर लेख लिखिए।
16. जायसी की 'पद्मावत' पर सूफी सिद्धान्त के प्रभाव पर प्रकाश डालिए।
17. बिहारी के काव्य में शृंगारिकता को स्पष्ट कीजिए।
18. सूरदास का जीवन-परिचय दीजिए।

खण्ड—द

19. विद्यापति के काव्य में भक्ति शृंगार पर प्रकाश डालिए।
20. मीरा के काव्य में भक्तिभावना को स्पष्ट कीजिए।
21. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

    कुहुकि कुहुकि जस कोइल रोई।

    रकत आँसु घुघुची बन बोई।

    जहँ-जहँ ठाढ़ि होई बनबासी।

    तहँ-तहँ होइ घुँघुची कै रासी

22. सूरदास के काव्य में वात्सल्य भावना को लिखिए।

खण्ड—इ

23. कबीर के काव्य में सामाजिक-चेतना का निरूपण अपने शब्दों में लिखिए।
24. तुलसीदास के काव्य में सामाजिक-सांस्कृतिक भावना किस तरह अभिव्यक्त हुई है ? सविस्तार वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

G–192

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – आधुनिक काव्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. शोकगीत लिखने वाले छायावादी कवि का नाम लिखिए।
2. द्विवेदी युग के एक राष्ट्रकवि का नाम लिखिए।
3. हिन्दी में 'हालावाद' के प्रवर्तक कवि कौन थे ?
4. वैद्यनाथ मिश्र किस कवि का मूल नाम है ?
5. अज्ञेयजी का पूरा नाम लिखिए।
6. दुष्यन्त कुमार के किसी **एक** काव्य-संग्रह का उल्लेख कीजिए।
7. रघुवीर सहाय के एक काव्य ग्रंथ का शीर्षक बताइए।
8. दिनकर के 'कुरुक्षेत्र' काव्य ग्रंथ में किसकी मूलकथा वर्णित है ?

खण्ड—ब

9. मैथिलीशरण गुप्त का जीवन परिचय दीजिए।

10. निराला को विद्रोही कवि क्यों कहा जाता है ?

11. दिनकर की कृतियों की चर्चा कीजिए।

12. बच्चन के कवि रूप का परिचय दीजिए।

13. 'असाध्यवीणा' का परिचय दीजिए।

14. कवि दुष्यन्त कुमार की भाषा शैली पर टिप्पणी लिखिए।

खण्ड—स

15. रघुवीर सहाय के काव्य में शिल्पविधान की चर्चा कीजिए।

16. पंत के काव्य में प्रकृति चित्रण पर प्रकाश डालिए।

17. नरेन्द्र शर्मा की काव्यगत विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

18. महादेवी वर्मा के काव्य में अभिव्यक्त विरहानुभूति का विवेचन कीजिए।

खण्ड—द

19. प्रसाद की काव्यभाषा की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

20. निरालाजी की 'जुही की कली' कविता की व्याख्या कीजिए।

21. उर्मिला के विरह-वर्णन की विशेषताएँ बताइए।

22. 'नागार्जुन के काव्य में प्रगतिशील चेतना' पर टिप्पणी कीजिए।

खण्ड—इ

23. "दिनकर पौरुष, ओज, क्रान्ति और राष्ट्रीय भावनाओं के कवि हैं।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

24. अज्ञेय की प्रयोगधर्मिता को समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – हिन्दी साहित्य का इतिहास **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड—अ

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा का प्रथम प्रयास किसने किया ?
2. 'पृथ्वीराज रासो' किसकी रचना है ?
3. भक्ति के प्रथम प्रचारक किसे माना गया है ?
4. उत्तर और दक्षिण भारत की भक्ति परम्परा को एक सूत्र में पिरोने का काम किसने किया ?
5. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने किसे रीतिकाल का प्रवर्तक माना है ?
6. रीतिकालीन कवियों में किस कवि का उद्देश्य शृंगारिकता के स्थान पर वीरत्व जगाना रहा ?
7. कवि धूमिल का असल नाम क्या है ?
8. 'प्लेग की चुड़ैल' कहानी किसने लिखी ?

खण्ड—ब

9. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने जनसमुदाय की साहित्यक भागीदारी को प्रारम्भिक समय से ही जरूरी क्यों माना है ?
10. प्रमुख जैन कृतियाँ और उनके कृतिकार का नाम लिखिए।
11. भक्ति के प्रचार-प्रसार में किन आचार्यों का विशिष्ट योगदान रहा ?
12. रीतिकाल का प्रतिनिधि कवि कौन है ? उनके काव्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

13. "दर्शन में जो मार्क्सवाद हैं, राजनीति में जो समाजवाद है, वही साहित्य में प्रगतिवाद है।" स्पष्ट कीजिए।
14. नई कहानी के प्रमुख कहानीकारों का नाम लिखिए।

खण्ड—स

15. रासो काव्य की व्युत्पत्ति एवं स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
16. निर्गुण भक्ति काल की धार्मिक पृष्ठभूमि स्पष्ट कीजिए।
17. हिन्दी का प्रगतिशील काव्य विचारधारा का मूल आधार क्या है ?
18. समकालीन कविता के विकास क्रम पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—द

19. हिन्दी साहित्य जगत में रासो काव्य परम्परा का महत्व प्रतिपादित कीजिए।
20. भक्ति कालीन काव्य की परिस्थितियों का मूल्यांकन कीजिए।
21. भारतेन्दु कालीन साहित्य की काव्यात्मक प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
22. प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी की विभिन्न दशाओं का वर्णन कीजिए।

खण्ड—इ

23. कृष्ण भक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
24. शुक्लोत्तर युग में हिन्दी समीक्षा के विकास की विवेचना कीजिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व—हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई—जून 2022—23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई—जून 2022—23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय—वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक—सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

G–194

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2022–23

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय – काव्यशास्त्र एवं समालोचना **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

खण्ड–अ

1. 'ध्वन्यालोक' किसकी रचना है ?
2. आचार्य कुंतक ने दूसरे उन्मेष में वक्रोक्ति के कितने भेद किए ?
3. अरस्तू का जन्म कहाँ हुआ ?
4. 'काव्यादर्श' के रचनाकार कौन हैं ?
5. 'चिंतामणि' के रचनाकार का नाम लिखिए।
6. रसनिष्पत्ति का 'आरोपवाद' किसने दिया ?
7. 'नाट्यशास्त्र' के रचयिता कौन हैं ?
8. हिन्दी में शास्त्रीय आलोचना पद्धति के किन्हीं **दो** आलोचकों के नाम लिखिए।

खण्ड–ब

9. काव्य-प्रतिभा क्या है ?

10. 'अनुमितिवाद' से आप क्या समझते हैं ?

11. 'संयोग शृंगार' को समझाइए।

12. 'पदपरार्ध वक्रता' क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

13. आनंदवर्धन की ध्वनि संबंधी अवधारणाएँ संक्षिप्त रूप में लिखिए।

14. निर्वैयक्तिकता क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—स

15. राजशेखर के रीति-सिद्धान्त को बताइए।

16. 'ध्वनि' के स्वरूप को लिखिए।

17. 'अस्तित्ववाद' क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

18. 'शैलीविज्ञान' क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—द

19. औचित्य क्या है ? इसकी प्रमुख स्थापनाओं को बताइए।

20. तुलनात्मक आलोचना को स्पष्ट कीजिए।

21. 'अभिव्यंजनावाद' को लिखिए।

22. प्लेटो के 'काव्य सिद्धान्त' को बताइए।

खण्ड—इ

23. काव्य गुण को सविस्तार समझाइए।

24. लोंजाइनस की उदात्त अवधारणा को लिखिए।

आवश्यक निर्देश :—

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 जनवरी 2023 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2022–23 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2022–23 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**